RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

CLASS 10th
GEOGRAPHY

ARJUN
BATCH



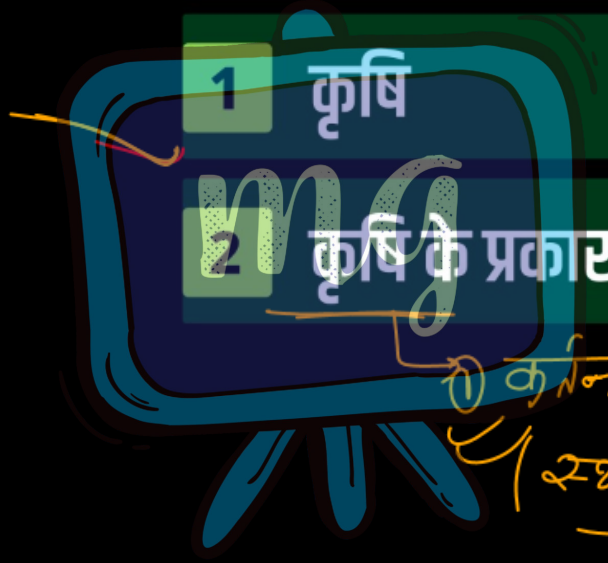
Chapter-4

AGRICULTURE

आज क्या पढेंगे ?

1 कृषि

2 कृषि के प्रकार



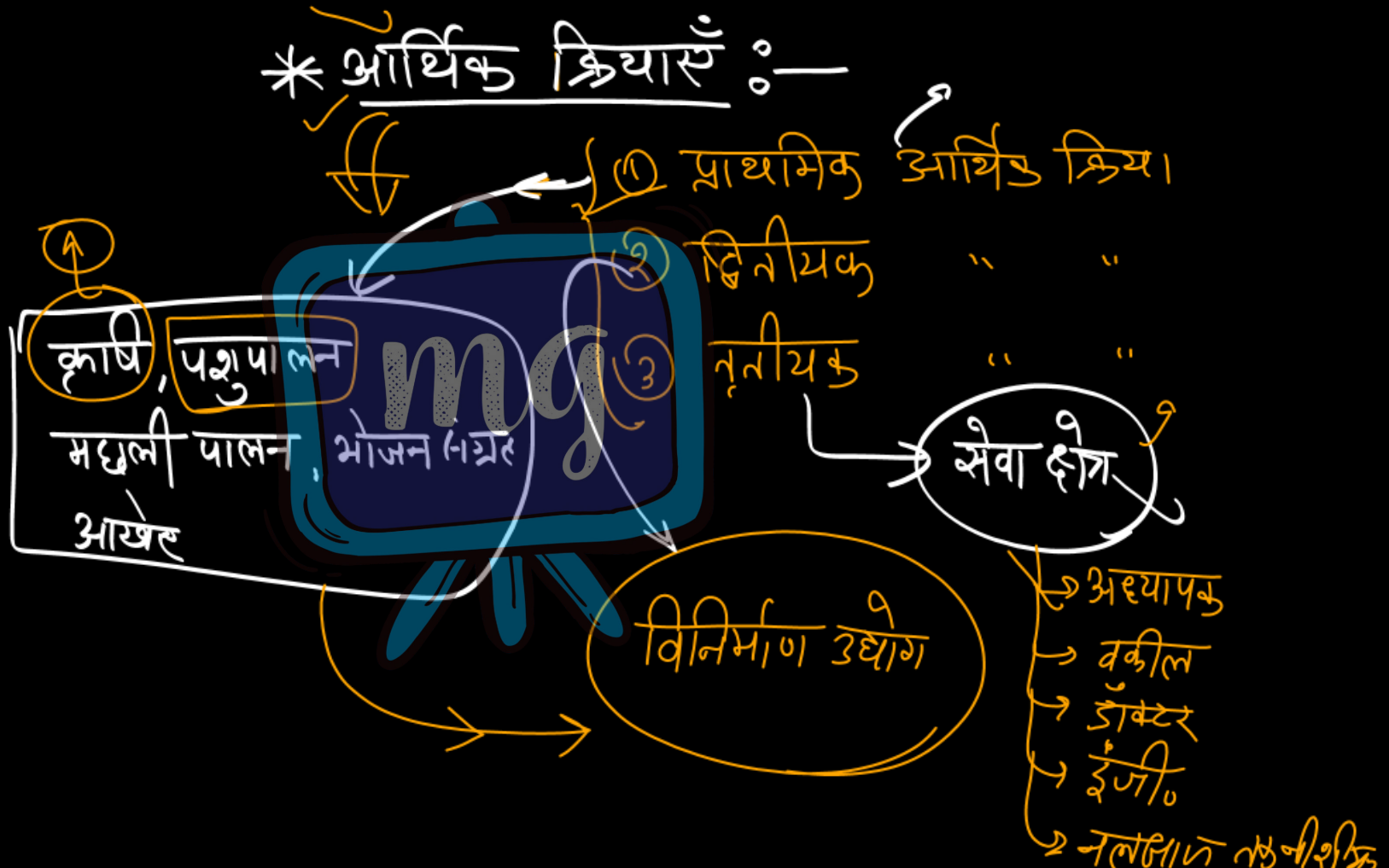
① कर्तन-दहन कृषि (झूम कृषि)

② (स्थानान्तरित कृषि)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

* आर्थिक क्रियाएँ :—

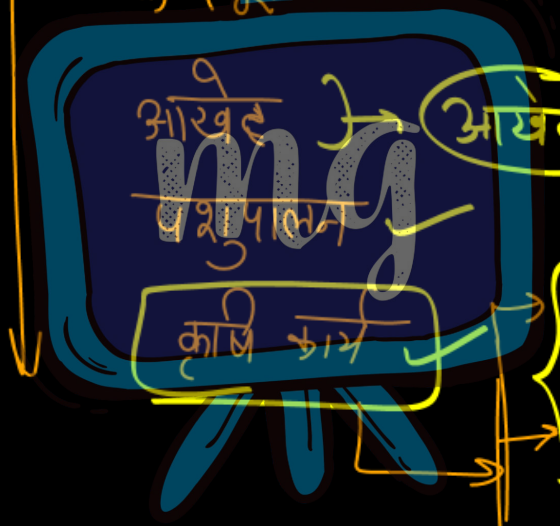




कृषि

- कृषि एक प्राथमिक-क्रिया है
- कृषि की दृष्टि से भारत एक महत्त्वपूर्ण देश है।
- भारत की दो-तिहाई जनसंख्या कृषि-कार्यों में संलग्न है।
- **खाद्यान्न उत्पादन** — बाजरा, गेहूँ, चावल, मक्का, सरसो, दलहनी फसलें (_ _ _ _ _)
- विभिन्न उद्योगों के लिए कच्चे माल का उत्पादन कुछ उत्पादों (चाय, कॉफी, मसाले) का निर्यात भी अरेबिका

कृषि प्रकार



- कन्दमूल व फलों से भोजन → भोजन संग्रहण
- आखेट से आखेट
- पशुपालन
- कृषि कार्य
  - कर्तन-दहन कृषि (स्थानान्तरित कृषि)
  - जीवन निर्वाह कृषि
  - गहन जीवन निर्वाह कृषि
  - वाणिज्यिक कृषि



कृषि के प्रकार

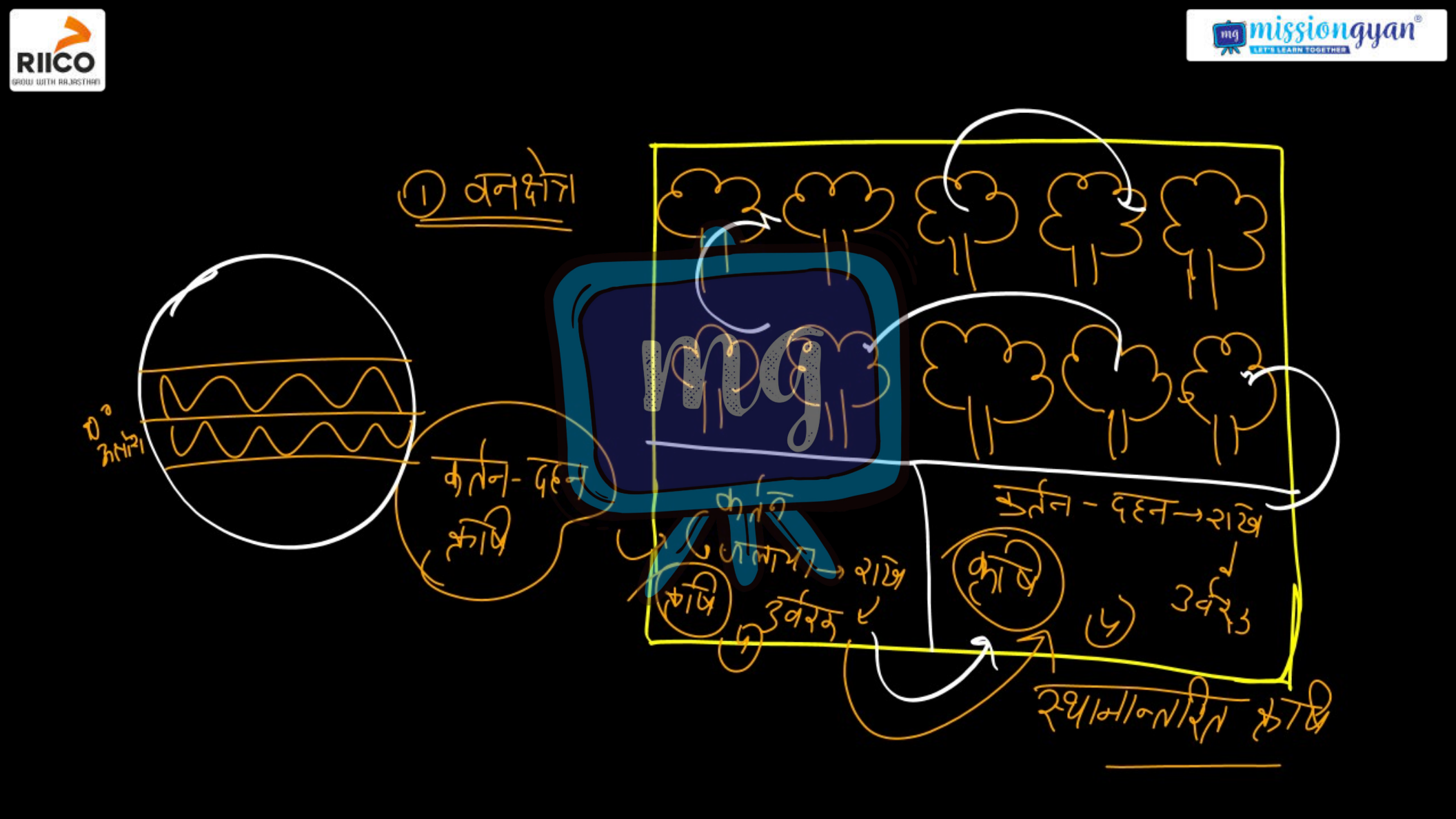
- कृषि हमारे देश की प्राचीन आर्थिक-क्रिया है।
- पिछले हजारों वर्षों के दौरान भौतिक पर्यावरण, प्रौद्योगिकी और सामाजिक-सांस्कृतिक रीति-रिवाज़ों के अनुसार खेती करने की विधियों में परिवर्तन हुआ है।
- जीवन-निर्वाह खेती से लेकर वाणिज्य खेती तक कृषि के अनेक प्रकार हैं।

वर्तमान में भारत के विभिन्न-भागों में निम्नलिखित प्रकार के कृषि-तंत्र अपनाए गए हैं—

i. प्रारंभिक जीविका-निर्वाह कृषि

→ आदिम मानव द्वारा प्रारंभ की
→ कृषि का प्राचीनतम स्वरूप




① वनक्षेत्र
कर्तन-दहन कृषि
कर्तन-दहन → राख
उर्वरक
कृषि
स्थानान्तरित कृषि

- भूमि के छोटे-टुकड़ों पर आदिम कृषि-औजारों (लकड़ी के हल, खुदाई करने वाली छड़ी) तथा परिवार/समुदाय श्रम की मदद से की जाती है।
- इस प्रकार की कृषि प्राय: मानसून, मृदा की प्राकृतिक उर्वरता और अन्य पर्यावरणीय-परिस्थितियों की उपुयक्तता पर निर्भर करती है।



'कर्तन-दहन प्रणाली' (Slash and Burn)



- किसान जमीन के टुकड़े साफ करके उन पर अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए अनाज व अन्य खाद्य फसलें उगाते हैं।
- जब मृदा की उर्वरता कम हो जाती है तो किसान उस भूमि के टुकड़े से स्थानांतरित हो जाते हैं और कृषि के लिए भूमि का दूसरा टुकड़ा साफ करते हैं।
- प्राकृतिक प्रक्रियाओं द्वारा मिट्टी की उर्वरता शक्ति बढ़ जाती है।

- चूँकि किसान उर्वरक अथवा अन्य आधुनिक तकनीकों का प्रयोग नहीं करते, इसलिए इस कृषि में उत्पादकता कम होती है।

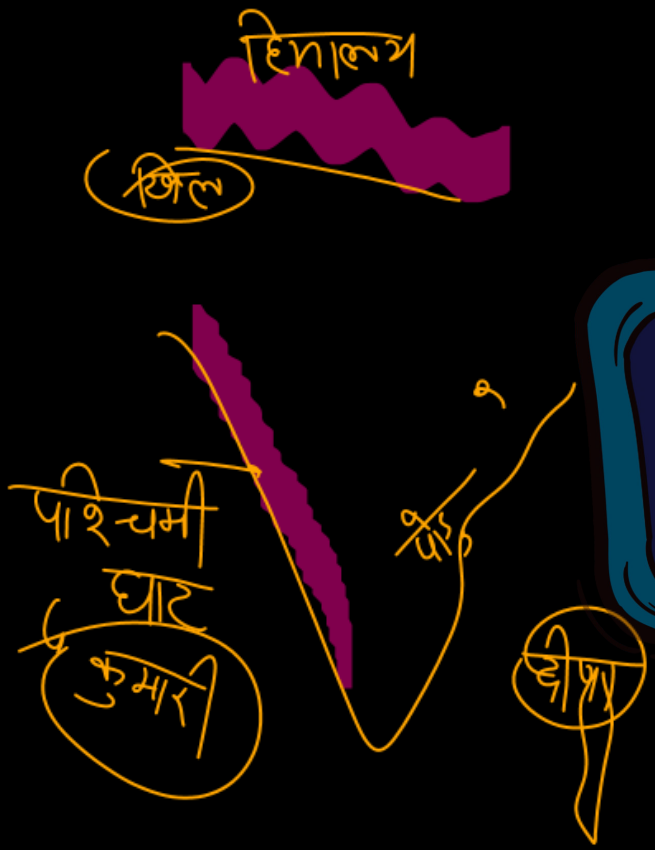


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

देश के विभिन्न भागों में इस प्रकार की कृषि को विभिन्न नामों से जाना जाता है—

- उत्तर-पूर्वी राज्यों (असम, मेघालय, मिज़ोरम और नागालैंड) में झूम
- मणिपुर में पामलू
- मध्य प्रदेश में 'बेबर या दहिया'
- छत्तीसगढ़ (बस्तर जिले) और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में दीपा



- झारखंड में 'कुरुवा'
- ओडिशा में 'पामाडाबी' / 'कोमान' / 'बरीगाँ'
- आंध्रप्रदेश में 'पोडु' / 'पेंडा'
- पश्चिम घाट में 'कुमारी'
- दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में 'वालरे' / 'वाल्टरे'
- हिमालयन क्षेत्र में 'खिल'

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मैक्सिको और मध्य अमेरिका में 'मिल्पा'
- वेनेजुएला में 'कोनुको'
- ब्राजील में 'रोका'
- मध्य अफ्रीका में 'मसोले'
- इंडोनेशिया में 'लदांग'
- वियतनाम में 'रे'